प्र. १ ससंदर्भ व्याख्या कीजिए. २०

क) साँसे कहती अमर कहानी
पल पल बनता अमिर निशानी
प्रिय! मै लेती बाँध मुक्ति
सौ सौ लघुतम बन्धन अपने में।
तुन्हें बाँध पाती सपने में।
अथवा
तय करके
नही लिख सकते आप
तय करके लिखेंगे
तो आप जो कुछ लिखेंगे
उसमें
लय कुछ नहीं होगा
लीन कुछ नहीं होगा

ख) चन्दन –शीतल
पीड़ा से परिशोधित स्वर में
उभरा एक नवीन धरातल
चन्दन –शीतल
मेरी वाणी
अथवा
आज सडकों पर लिखे हैं सैकडों नारे न देख
घर अँधेरा देख तू, आकाश के तारे न देख।

प्र. २ महादेवी वर्मा के काव्य में चित्रित सामाजिक चेतना पर प्रकाश डालिए। २०
अथवा
धर्मवीर भारती की काव्य – कला को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

प्र. ३ भवानी प्रसाद मिश्र के काव्य की विशेषचाएँ लिखिए। २०
अथवा
दृष्यंत कुमार की गज़लियत पर प्रकाश डालिए।

प्र. ४ निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखिए। २०

१) महादेवी वर्मा की विरह – वेदना स्पष्ट कीजिए।
२) धर्मवीर भारती के काव्य के प्रमुख स्वरों की चर्चा कीजिए।
३) गीत फरोश कविता के केन्द्रीय भाव का उल्लेख कीजिए।

प्र. ५ च) एक वाक्य में उत्तर दीजिए। १०

१) सन्नाट को कितने नामों से अभिहित किया गया है।
२) कवि किस –किस तरह के गीत बेचता है।
३) दृष्यंत कुमार हंगामा खड़ा करने के लिए क्यों कहते है।
४) धर्मवीर भारती की किन्हीं दो रचनाओं के नाम लिखिए।
५) दृष्यंत के काव्य की कोई एक विशेषता बताइए।
६) चार काले कौओं ने क्या तय किया था?

७) महारथी कविता का मूल स्वर क्या है?

८) दृष्यंत कुमार कौन – सी गजल सुनाते है?

९) महादेवी वर्मा की किन्हीं दो रचनाओं के नाम लिखिए।

१०) धर्मवीर भारती के अनुसार सच्ची सम्पूर्ण कविता कौनसी है?

छ) सही विकल्प चुनिए। ६

१) गाँधीवादी विचार धारा से प्रभावित है –

धूमिल	भवानी प्रसाद मिश्र
भारतेन हरिश्चन्द्र	रामचन्द्र शुक्ल

२) आवाजों के घेरे के रचनाकार है –

धर्मवीर भारती	मुक्ति बोध
महादेवी वर्मा	दृष्यंत कुमार

३) पदमभूषण से विभूषित है –

श्रीधर पाठक	बालमुकुन्द गुप्त
हरिऔध	महादेवी वर्मा

४) बंद गली का आखिरी मकान के लेखक है –

कमलेश्वर	राजेन्द्र यादव
धर्मवीर भारती	अमरकान्त

५) दुसरासप्तक के कवि है –

सर्वेश्वर दयाल सक्सेना	नागार्जुन
राजकमल चौधरी	अरुण कमल

६) नई कविता के कवि माने जाते है –

मैथिली शरण गुप्त	जयशंकर प्रसाद
बालकवि वैरागी	रघुवीर सहाय

ज) जोडे मिलाइए। ४

तुम दुख बन इस पथ से आना	दृष्यंत कुमार
बीस तरह के काम दे दिए गोरेयोंको	धर्मवीर भारती
इन लाशों को जल जाने दो	महादेवा वर्मा
लोग कहते थे कि ये बात नही कहने की	भवानी प्रसाद मित्र